7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 घरेलू गैस सिलिंडर बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव 5 टापर्स के चेहरे 8 रोनाल्डो की चोट कितनी गंभीर

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 37 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 09 मार्च, 2026

यूपीएससी के आकाश में यूपी के सितारे

अवध के 24, पूर्वांचल के 18 युवाओं ने बनाई जगह, शामली की आस्था को 9वीं रैंक

लखनऊ,संवाददाता। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में उत्तर प्रदेश के कई युवाओं ने शानदार सफलता हासिल की। शामली की आस्था जैन ने 9वीं रैंक प्राप्त की। अवध के 24 और पूर्वांचल के 18 अभ्यर्थियों ने सूची में जगह बनाई। विभिन्न जिलों के सफल उम्मीदवारों ने मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से प्रेरणादायक उपलब्धि हासिल की। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा–2025 में भारी संख्या में यूपी के होनहारों ने सफलता हासिल की है। शामली के कांधला की आस्था जैन ने नौवीं रैंक हासिल की है। उन्हें तीसरे प्रयास में सफलता मिली है। इसके अलावा अमरोहा की सुरभि यादव ने 14वीं, शिकोहाबाद के उत्कर्ष ने 32वीं, अलीगढ़ के प्रतीक ने 54वीं, शामली की काजल चौहान ने 403वीं, हमीरपुर के डॉ. यशवर्धन सिंह ने 212वीं, एटा के आयूष ने 143वीं और प्रवीन यादव ने 582वीं, सहारनपुर के ऋषभ जैन में 163वीं, अखिल कुमार सैन ने 518वीं और मनोज कुमार ने 628वीं रैंक पाई है।

बिजनौर के असद अकोल ने 321वीं व अजीम अहमद ने 588वीं रैंक प्राप्त हासिल की है। पूलचल के मुवाओं ने भी परचम लहराया है। बलिया की मोनिका श्रीवास्तव ने 16वीं, भदोही की इकरा को 24वीं रैंक मिली है। आजमगढ़ के आदित्य हृदय उपाध्याय ने 154वीं और उनकी बहन आयुषी उपाध्याय ने 361वीं रैंक हासिल की है। परीक्षा में बलिया, भदोही, आजमगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, सोनभद्र के 18 युवाओं ने सफलता पाई है। फतेहपुर की शांभवी ने 46वीं और मिनहाज शकील ने 513वीं रैंक हासिल की। कानपुर के गौरव ओझा ने 204वीं और अनूप कुमार ने 716यों, मुरादाबाद के सृजित कुमार ने 84वीं व देवांश गुप्ता ने 77वीं रैंक हासिल की। प्रयागराज के प्रखर ने 787वीं, झांसी की आयुषी ने 914वीं, बलिया की निवदिता ने 855, ललितपुर की अदिति सिंह 859 और आगरा की तनिषा ने 930वीं रैंक में जगह बनाई।

अवध में इन्होंने किया टॉप

लखनऊ से जुड़े कई मेधावियों ने शानदार सफलता हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। राजधानी में रहकर तैयारी करने वाले विमल कुमार ने ऑल इंडिया 107वीं रैंक प्राप्त की है, जबकि अलीगंज निवासी आदर्श पांडेय को 347वीं रैंक मिली है। इसके अलावा वनज विद्यान ने 278वीं और पीयूष कपूर ने 402वीं रैंक हासिल कर सफलता का परचम लहराया। अलग–अलग पृष्ठभूमि से आने वाले इन अभ्यर्थियों की सफलता की कहानियां बताती हैं कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। किसी ने गांव की साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर यह मुकाम पाया, तो किसी ने विदेश में नौकरी करते हुए भी देश सेवा का सपना जीवित रखा। इन युवाओं की उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा और उम्मीद का संदेश भी है। बता दें कि बीते वर्ष शहर से कुमुद मिश्रा ने 69, प्रशांत सिंह 102, रजत सिंह 132, अनुश्री सचान 220 और उत्कर्ष नारायण ने 850 रैंक लाकर नाम रोशन किया था। वहीं, वर्ष 2023 में शहर–ए–अदब से आदित्य श्रीवास्तव ने देश में पहला स्थान हासिल कर परचम लहराया था।

भारत तीसरी बार टी20 विश्वकप चैंपियन

सूर्य कुमार यादव की इस तस्वीर को दीजिए कैप्शन!

'एक बार फिर चैंपियन', T20 वर्ल्डकप में भारत की जीत पर राहुल

स्पोर्ट्स डेस्क। 8 मार्च 2026 का दिन भारतीय क्रिकेट इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज हो गया है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को फाइनल में 96 रनों से हराकर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। ये पहली बार रहा जब तीसरी बार किसी टीम ने टी20 विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की।

वहीं, टीम इंडिया लगातार दूसरे एडिशन में ये खिताब अपने नाम करने वाली पहली टीम भी बनी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जहां भारत को 19 नवंबर 2023 के दिन करारी हार मिली थी, वहीं, 8 मार्च को सूर्या की कप्तानी में टीम इंडिया ने खिताब जीतकर हिसाब बराबर किया। खिताब जीतने के बाद कोच गौतम गंभीर की काफी खुश नजर आए। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस (ळंनजंउ ळंउइीपत च्तमे ब्वदमितमदबम) में खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की। इस दौरान उन्होंने दो लोगों को इस जीत का पूरा श्रेय भी दिया।

दरअसल, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कोच गंभीर ने कहा,

मैं इस ट्रॉफी को राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करना चाहता हूं। राहुल भाई ने भारतीय टीम को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया और लक्ष्मण ने श्रेंटर ऑफ एक्सीलेंसश्के जरिए खिलाड़ियों की एक बेहतरीन पाइपलाइन तैयार की।

जब मुश्किल दौर में जय शाह ने थामी उंगली

गौतम गंभीर ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक भावुक खुलासा करते हुए कहा, जब मैं अपने कार्यकाल के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा था (2024 और 2025 में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज हारने के बाद), तब जय भाई ने मुझे फोन किया था और मेरा साथ दिया था।

खिलाड़ियों की दिल खोलकर की तारीफ

भारतीय टीम के हेड कोच गंभीर ने सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ष्मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया के लोगों के लिए नहीं, बल्कि उस ड्रेसिंग रूम में बैठे 30 लोगों के प्रति है। एक कोच उतना ही अच्छा होता है जितनी उसकी टीम। खिलाड़ियों ने ही मुझे वह कोच बनाया है जो आज मैं हूं।ष

कप्तान सूर्या पर क्या बोले कोच?

सूर्यकुमार ने मेरा काम आसान कर दिया है। वह एक ऐसे कप्तान हैं जो पिता जैसा है। बड़ा उद्देश्य ट्रॉफी जीतना है, न कि व्यक्तिगत उपलब्धियों का जश्न मनाना। बहुत सालों से हम व्यक्तिगत उपलब्धियों का जश्न मनाते आ रहे हैं। मैं आप लोगों से अपील करता हूं कि व्यक्तिगत उपलब्धियों का जश्न मनाना बंद करें।

भारत ने तीसरी बार जीता टी20 विश्व कप का खिताब

साल 2007, जब टी20 विश्व कप का पहला एडिशन खेला गया था, तब एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने ये टाइटल जीतकर इतिहास रचा था। फिर 17 साल बाद रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। रोहित शर्मा के बाद अब टीम इंडिया को ये खिताब जिताने वाले सूर्यकुमार यादव तीसरे कप्तान बने हैं।

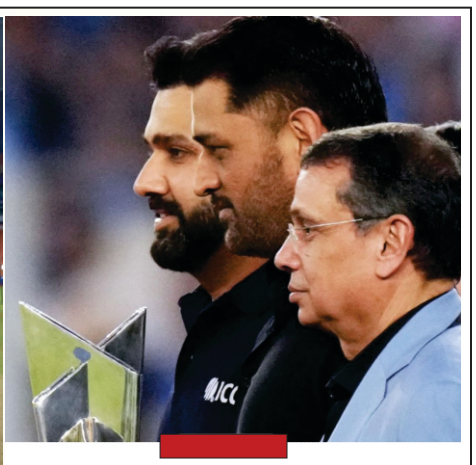

दो दिग्गज एक साथ मैदान पर लेकर पहुंचे T20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी

सम्पादकीय

नीतीश के बिना बिहार

नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया। उन्होंने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया, स्वास्थ्य कारण संभव। बिहार में नए मुख्यमंत्री के चयन पर राजनीतिक अटकलें तेज।

नीतीश कुमार राज्यसभा अवश्य जा रहे हैं, लेकिन बीते लगभग 20 वर्षों के अपने शासनकाल में वे जिस तरह बिहार को तमाम समस्याओं से उबारकर पटरी पर लाए, उसे देखते हुए उनके उत्तराधिकारी के सामने राज्य को तेजी से आगे ले जाने की चुनौती होगी। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ऐसे अनुमान लगाए जा रहे थे कि दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल शायद ही पूरा करें, लेकिन इसकी संभावना कम ही थी कि वह पांच माह के अंदर ही बिहार की कमान छोड़कर राज्यसभा जाने का फैसला ले लेंगे, लेकिन अंततः ऐसा ही होने जा रहा है। राज्यसभा के लिए उन्होंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है और अब इसकी प्रतीक्षा हो रही है कि उनकी जगह मुख्यमंत्री पद कौन संभालेगा? फिलहाल यह प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या राज्य की कमान जनता दल–यू के किसी नेता के हाथ होगी या फिर भाजपा के पास? अधिक संभावना यही है कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के पास आए और उप मुख्यमंत्री पद जनता दल–यू के हाथ, लेकिन इस बारे में अभी कुछ कहना कठिन है कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार राजनीति में प्रवेश कर नई सरकार में कोई भूमिका निभाएंगे या नहीं? जो स्पष्ट है, वह यही कि मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार की लंबी पारी का अंत होने जा रहा है। यह एक तरह से एक युग का समापन है। नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने के पीछे यह तर्क दिया कि उनकी इच्छा संसद के उच्च सदन जाने की थी, लेकिन इसमें कोई बहुत दम नहीं दिखता, क्योंकि यह स्वाभाविक नहीं जान पड़ता कि कोई मुख्यमंत्री और अपने दल का सर्वेसर्वा राज्य की बागडोर छोड़कर राज्यसभा में सेवाएं देने का फैसला करे। यह संभव है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्यगत कारणों से मुख्यमंत्री पद छोड़ने का फैसला किया हो। यदि उनके मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने के वास्तव में यही मूल कारण है तो उनकी प्रशंसा करनी होगी, क्योंकि आज के युग में ऐसे नेता दुर्लभ हैं, जो कमजोर स्वास्थ्य के कारण इतने बड़े पद का त्याग करने का निर्णय लें। उनके राज्यसभा जाने की बात सामने आते ही विपक्षी दलों की ओर यह जो शोर मचाया जा रहा है कि आखिरकार भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के लिए बाध्य किया, वह अतिरंजित ही है, क्योंकि वे कोई सामान्य नेता नहीं। यह ठीक है कि विधानसभा में भाजपा सबसे बड़ा दल है, लेकिन संख्याबल के मामले में जद–यू की उससे चार सीटें ही कम हैं। यह भी ध्यान रहे कि जद–यू पिछली विधानसभा के मुकाबले कहीं अधिक बेहतर स्थिति में है। ऐसे में ऐसे किसी आकलन को सही नहीं कहा जा सकता कि भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर किया। नीतीश कुमार राज्यसभा अवश्य जा रहे हैं, लेकिन बीते लगभग 20 वर्षों के अपने शासनकाल में वे जिस तरह बिहार को तमाम समस्याओं से उबारकर पटरी पर लाए, उसे देखते हुए उनके उत्तराधिकारी के सामने राज्य को तेजी से आगे ले जाने की चुनौती होगी।

भारतीय शिक्षा का वैश्वीकरण आवश्यक

उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण देश की प्रगति हेतु आवश्यक। विज्ञान–समाज विज्ञान समन्वय से शोध में नवोन्मेष बढ़ेगा। ग्लोबल पहल सकारात्मक भारतीय विमर्श को बढ़ावा देगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हाल में कहा कि भारतीय उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण देश की प्रगति और सर्वांगीण विकास के लिए एक आवश्यक तत्व है। उनके अनुसार दुनिया भर में भारतीय शिक्षा और शोध की समृद्ध नवोन्मेषी परंपरा तथा इसके गतिशील वर्तमान का अकादमिक वृत्तांत प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। यह लक्ष्य तभी संभव होगा, जब शिक्षा और शोध के क्षेत्र में हमारी वैश्विक आवाजाही तथा ज्ञान का आदान–प्रदान बढ़ेगा। वे निरंतर इस पर भी बल देते रहे हैं कि उच्च शिक्षा के इस वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विज्ञान और समाज विज्ञान को परस्पर समन्वय के साथ कार्य करना होगा। जब तक विज्ञान और समाज विज्ञान परस्पर समन्वय के साथ कार्य नहीं करेंगे, तब तक भारतीय शोध का नवोन्मेष अधूरा रहेगा। तकनीकी और सामाजिक विषयों के एकीकृत प्रयास भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

जहां तक समाज विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण का प्रश्न है, इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श की तत्काल आवश्यकता है। पहली महत्वपूर्ण बात यह है कि दुनिया के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की रुचि केवल भारत के आइटी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारतीय समाज विज्ञान में भी गहरी रुचि ले रहे हैं। उनके लिए भारत सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश और सबसे बड़ा विकासशील बाजार भी है। ऐसे में भारत के वर्तमान इतिहास, सामाजिक संरचना और उभरती आर्थिकी को समझना उनके लिए एक बड़ी बौद्धिक चुनौती और अवसर है। दूसरा बिंदु यह है कि भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के आगमन का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इन संस्थानों में लिबरल स्टडीज, समाज विज्ञान और कौशल विकास के लिए पर्याप्त स्थान होगा। यह भारतीय छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप सामाजिक विषयों के अध्ययन का अवसर प्रदान करेगा। तीसरा और सबसे अहम पहलू यह है कि वर्तमान में दुनिया के विभिन्न देशों के बीच केवल आर्थिक विकास की ही प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक शोधों के साथ–साथ बाजार, राजनीतिक आर्थिकी और समाज वैज्ञानिक विमर्शों के बीच एक वैचारिक टकराहट भी चल रही है। प्रत्येक विकसित और विकासशील राष्ट्र चाहता है कि उसकी सफलता और विशिष्टता का नैरेटिव उसके आर्थिक प्रभाव के विस्तार को मजबूती दे। जो वैश्विक कारपोरेट घराने पूरी दुनिया में अपने व्यापार का विस्तार कर रहे हैं, उन्हें भी अपनी रणनीतियों के लिए न केवल वैज्ञानिक, बल्कि समाज वैज्ञानिक वृत्तांत चाहिए। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा बढ़ रहा है, जिसे अब सुदृढ़ अकादमिक और समाज वैज्ञानिक शोधपरक वृत्तांतों के समर्थन की आवश्यकता है, पर विडंबना यह है कि वर्तमान में अधिकांश समाज वैज्ञानिक शोधों में हम अपने समाज, विकास और आर्थिकी के सकारात्मक तत्वों को खोजने के बजाय नकारात्मक विमर्शों में ही उलझे हुए हैं। प्रतिष्ठित समाज वैज्ञानिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों को अब इस दिशा में सार्थक एवं सकारात्मक पहल करने की महती आवश्यकता है। इसी दिशा में टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज एक महत्वपूर्ण अकादमिक पहल श्टीस–ग्लोबलश के नाम से शुरू करने जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत दुनिया भर के उन विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा, जो भारत पर शोध कर रहे हैं। साथ ही देश के दिग्गज समाज विज्ञानियों और विकास विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाकर उन्हें भारतीय समाज एवं विकास के नकारात्मक चित्रण के बजाय सकारात्मक पक्षों पर शोध, समझ और विमर्श के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस प्रक्रिया में देश के वैज्ञानिक एवं समाज वैज्ञानिक शोध संस्थानों का एक संयुक्त फोरम विकसित करना भी अनिवार्य है। भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसरों का खुलना एक सुखद स्थिति है, जो हमारे छात्रों को शिक्षा के विविध विकल्प प्रदान कर रही है, पर हमें इसके साथ ही दुनिया के अन्य हिस्सों–विशेषकर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में अपने शिक्षा संस्थान खोलने की प्रक्रिया को भी तीव्र करना होगा। हमें अमेरिका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों में विशिष्ट विषयों पर केंद्रित भारतीय संस्थान भी स्थापित करने होंगे। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि एक विमर्श भी है। इस अर्थ में भारतीय ज्ञान के वैश्वीकरण से भारतीय विमर्श का भी वैश्वीकरण सुनिश्चित हो पाएगा। ज्ञान एक प्रकार की शक्ति है और इसे अर्जित करने के लिए हमें उत्कृष्ट श्रेणी की भारतीय अकादमिक संस्कृति विकसित करनी होगी, ताकि हमारा युवा वर्ग, जो भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य है, वह केवल एक सांख्यिकीय आंकड़ा बनकर न रह जाए, वरन ज्ञान, मेधा और दक्षता से युक्त हो जाए। इसके लिए हमें अपने शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्टता को केंद्र में रखना होगा। प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत विराट लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भारतीय शिक्षा और शोध जगत को सर्वोच्च राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। हमें शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में ऐसे उत्कृष्ट शोधार्थी और शिक्षक तैयार करने होंगे, जो वैश्विक छात्र समुदाय और विद्वानों को अपनी ओर आकर्षित कर सकें। ज्ञान की गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करना ही विकसित भारत की वास्तविक आधारशिला होगी।

महिला सैलानियों के लिए

अपने पर्यटन के बीच खास पर्यटन की खोज में हिमाचल ने 'शी–स्टे' योजना के आरंभिक मानचित्र पर काम करना शुरू किया है। तीन चरणों की योजना में महिला सैलानी के अनुभव में सुरक्षित वातावरण, चुस्त मेहमाननवाजी, अलंकृत व्यवस्था तथा महिलाओं की भागीदारी से सहजता प्रदान की जा रही है। शी–स्टे की संपत्तियों का चयन व प्रमाणिकता के साथ आश्वासन के हस्ताक्षर करती यह योजना 'शी शील्ड मोबाइल एप' के जरिए लोकेटर, यात्रा प्लानर, विविधताओं और आकर्षणों की पेशकश, सांस्कृतिक आदान–प्रदान तथा महिला सशक्तिकरण का अनूठा पथ विकसित कर रही है। स्वतंत्र महिलाओं के एकल कदम हिमाचल को चिन्हित करते हैं, तो राज्य की अधोसंरचना विकास तथा निजी क्षेत्र के साथ सहयोग भी अलग तरह की संभावनाओं का आकाश खोल सकता है। वास्तव में 'शी–स्टे' की अवधारणा युवा पर्यटन की ही एक ब्रांच है, जो पिछले दशक से हिमाचल के भीतरी, कबायली और ग्रामीण इलाकों में विश्रांति का रास्ता खोज रहा है। यह वर्ग हिमाचल की शांति में आध्यात्मिक ऊर्जा का संवाहक बन रहा है, तो संस्कृति के अछूतेपन को महसूस कर रहा है। ऐसे कई युवा ग्रुप या तो अपने प्रोफेशन के प्रोजेक्ट्स के साथ दो–तीन महीने गुजारने की अनूठी पहल से आते हैं या शिक्षा के हर दौर से गुजरे याराना को फिर से बसाने के लिए हिमाचल में जगह खोजते हैं। ज्यादातर आईटी प्रोफेशनल कारपोरेट जगत के तनाव और दबाव से दूर रह कर पहाड़ की संगत में मौसम, प्रकृति की निर्मलता, सौम्यता व प्रदूषण रहित माहौल की दरियादिली में खुद में ताजगी लेकर लौटना चाहते हैं। ऐसे में युवा महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाते हुए हिमाचल एक कदम और आगे जाना चाहता है, तो प्रदेश के कई रेस्ट हाउसों, सरकारी होटलों, होम स्टे व निजी पर्यटन इकाइयों में नए परिचय के साथ यह सुनिश्चित होना चाहिए कि इन्हें 'शी–स्टे' के लिए अधिकृत किया गया है। यह कार्य आसानी से हो सकता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी का सबब बनती है महिला ट्रैवलिंग। बेशक हिमाचल परिवहन निगम इस दिशा में कई सफल प्रयोग कर सकता है, लेकिन यात्रा से स्थानीय साइट सीईंग तक की बुकिंग में पर्यटन तथा परिवहन निगमों को पैकेज के तहत सारे स्टे का सुरक्षित प्रबंधन करना पड़ेगा। शी–स्टे की जरूरतों में बजटीय इकाइयों में से एक तो एचआरटीसी के मॉडर्न बस स्टैंड ही हो सकते हैं। बस स्टैंड परिसर में अगर होटल संभव नहीं तो विशेष हॉस्टल बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा एचआरटीसी पर्यटक टैक्सियों का संचालन निजी क्षेत्र के सहयोग से कर सकता है, जहां प्री पेड टैक्सी सेवा के जरिए हिमाचल के भीतर घूमना आसान हो सकता है। मंदिर ट्रस्ट भी अपने परिसर में धार्मिक यात्रा के पड़ाव की तरह विशेष छात्रावास बनाकर महिला यात्रियों को सुरक्षित पनाह दे सकते हैं।

परमाणु रिसाव हुआ तो

ईरान युद्ध में परमाणु रिसाव के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल–ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने आपात बैठक भी की है, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी–इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर 'मेल्टडाउन' हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा। यदि ईरान के परमाणु केंद्रों से रिसाव शुरू हुआ, तो सभी खाड़ी देश उसके दायरे में होंगे। कई अरब देशों के परमाणु रिएक्टर खतरनाक स्थितियों में हैं। ईरान ही नहीं, इराक, सीरिया, बहरीन, कुवैत आदि देशों में भी परमाणु साइट्स हैं। क्या वे परमाणु कार्यक्रम उन देशों के अपने और घोषित, वैध कार्यक्रम हैं अथवा अमरीका के परमाणु उपनिवेश हैं? यह दायित्व आईएईए का है। अमरीका ने इन देशों के परमाणु केंद्रों पर आपत्ति दर्ज नहीं की और न ही किसी हमले की धमकियां दीं! क्या ये 'संहारी संयंत्र' नहीं हैं? अलबत्ता आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे पास ऐसे किसी हमले की जानकारी नहीं है। फिर आपात बैठक में क्या विमर्श किया गया? फिर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने चिंताजनक स्थितियां किस आधार पर आंकी थीं?

अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराया है कि ईरान परमाणु बम बनाने में जुटा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बयान भी सामने आया है कि हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएंगे। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के बयान आए थे कि वे यूक्रेन को परमाणु हथियार मुहैया कराने पर विचार कर रहे हैं। ये बड़े देश विनाश की ओर अग्रसर क्यों हो रहे हैं? इस संदर्भ में गौरतलब है कि ओमान की मध्यस्थता से जिनेवा में अमरीका और ईरान के बीच बातचीत के जो दौर हुए थे, उनमें ईरान यूरेनियम संवर्द्धन को 3–5 फीसदी तक कम करने को तैयार हो गया था। उस स्थिति में ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। आईएईए का एक अनुमान है कि यदि ईरान के इस्फहान, नतांज, बुशहर परमाणु संयंत्रों से विकिरण की नौबत आ गई, तो कमोबेश 20 देशों के करीब 51 करोड़ लोग उस खतरे के दायरे में होंगे। बहरहाल जिनेवा वार्ता एक ढकोसला थी और अमरीका–इजरायल ईरान पर हमला करने की योजना बहुत पहले बना चुके थे और उनकी खुफिया एजेंसियां उस पर काम कर रही थीं। अमरीका–इजरायल और ईरान, सभी खाड़ी देशों समेत, जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर अमरीकी एटम बम बरसाने और उनके बाद की त्रासद् स्थितियों को भूले नहीं होंगे। हिरोशिमा के बम–हमले में अनुमानतरू 1,40,000 लोग और नागासाकी में करीब 74,000 लोग मार दिए गए। करीब 38,000 मासूम बच्चे भी बेमौत मारे गए। इससे वीभत्स, बर्बर, त्रासद् सामूहिक नरसंहार कोई दूसरा नहीं है। आज दुनिया में अमरीका के अलावा, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी से लेकर भारत और पाकिस्तान तक परमाणु हथियारों वाले देश हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किस–किस देश के परमाणु कार्यक्रम को रोक पाए? यह ठेकेदारी अमरीका की नहीं है। यह भी देशों की संप्रभुता से जुड़ा विषय है।

गोल्डेन साहनी की दबंगई रफ्तार और स्टंट का शौकीन

संवाददाता, गोरखपुर। चार फाटक ओवरब्रिज हादसे के बाद जेल भेजे गए प्रापर्टी डीलर गोल्डेन साहनी की मनमानी और दबंगई के कई पहलू सामने आ रहे हैं।

यातायात पुलिस के रिकार्ड बताते हैं कि आरोपित लंबे समय से सड़क पर नियमों को ताक पर रखकर वाहन चलाने का आदी था।

पिछले एक वर्ष में उसकी फार्च्यूनर गाड़ी का कुल 26 बार चालान हुआ है। इनमें सबसे ज्यादा 19 बार ओवरस्पीडिंग, दो बार डेंजर ड्राइविंग और कई बार नो पार्किंग तथा अन्य नियमों के उल्लंघन के मामले शामिल हैं।

एक साल में 26 चालान, 19 बार ओवरस्पीडिंग, डेंजर ड्राइविंगमें भी कटे चालान

यातायात पुलिस की माने तो गोल्डेन की गाड़ी का चालान सिर्फ गोरखपुर में ही नहीं बल्कि लखनऊ, बाराबंकी,एक्सप्रेस–वे के अलावा दिल्ली में भी हुआ है।

मनमानी पार्किंग, काली फिल्म लगाने पर भी कार्रवाई हुई है। लगातार चालान होने के बावजूद आरोपित के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया।

लखनऊ, बाराबंकी, एक्सप्रेस–वे दिल्ली के अलावा गोरखपुर में कटे चालान

गोल्डेन साहनी को तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाने और उसका प्रदर्शन करने का शौक था।

उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर ऐसी कई रीलें और पोस्ट हैं जिनमें वह काले रंग की गाड़ियों के काफिले के साथ चलता हुआ दिखाई दे रहा है। कई वीडियो में वह सड़क पर स्टंट करते हुए भी नजर आता है।

जिस फार्च्यूनर से वह चलता था, वह लखनऊ के कैंट रोड स्थित एफआइ

एक साल में 26 चालान; काली गाड़ियों का काफिला
एक साल में गोल्डेन साहनी की गाड़ी के 26 चालान
19 बार ओवरस्पीडिंग, डेंजर ड्राइविंग में भी कटे चालान
सोशल मीडिया पर स्टंट और तेज रफ्तार के वीडियो पोस्ट

टावर निवासी योगेंद्र के नाम पर पंजीकृत है, जो उसके चाचा बताए जा रहे हैं।

खुद को भावी ब्लॉक प्रमुख बता, काली गाड़ियों का काफिला लेकर चलता था

दस्तावेजों में लखनऊ के अलावा गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र के भौवापार का पता भी दर्ज है। यह गाड़ी वर्ष 2020 में खरीदी गई थी और योगेंद्र इसके दूसरे खरीदार हैं

हालांकि गाड़ी का इस्तेमाल गोल्डेन ही करता था। इंटरनेट मीडिया पर खुद को निषाद पार्टी से जुड़ा बताने के साथ ही पिपरौली ब्लाक का भावी ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशी भी लिखता था।

फेसबुक अकाउंट पर मंत्री के साथ कई तस्वीरें भी पोस्ट की गई

उसके फेसबुक अकाउंट पर मंत्री के साथ कई तस्वीरें भी पोस्ट की गई हैं। इनमें एक सेल्फी भी चर्चा में है, जिसे खुद कैबिनेट मंत्री ने लिया बताया जा रहा है। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि जिस गाड़ी से घटना हुई है उसे कब्जे में ले लिया गया है।

गाड़ी का पंजीकरण और आरोपित का लाइसेंस रद करने के लिए आरटीओ को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

पीएम रिपोर्ट में छह चोटों की पुष्टि, गर्दन की हड्डी और हाथ भी टूटा

एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र आकाश पांडेय की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर कुल छह चोटों की पुष्टि हुई है। डाक्टरों के अनुसार हादसे में आकाश के गर्दन की हड्डी टूट गई थी, जबकि बायां हाथ भी फ्रेक्चर पाया गया।

इसके अलावा सिर के पीछे दाहिने हिस्से, ललाट और ठुड्डी पर गहरी चोट थी। साथ ही पेट पर रगड़ के निशान पाए गए। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सिपुर्द कर दिया। रिपोर्ट सामने आने के बाद हादसे की भयावहता स्पष्ट हो गई है।

बहन से मिलने आए थे उमेश, लौटते वक्त हुए हादसे का शिकार

सड़क हादसे में सिर्फ एमबीबीएस छात्र आकाश पांडेय की मौत ही नहीं हुई, बल्कि एक और परिवार की खुशियां भी तबाह हो गईं। शाहपुर क्षेत्र में रहने वाले उमेश शर्मा मोहद्दीपुर इलाके में रहने वाली अपनी बहन से मिलने आए थे। लौटते समय तेज रफ्तार फार्च्यूनर ने उन्हें भी अपनी चपेट में ले लिया। रेलिंग से जोरदार टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल उमेश को एम्स में भर्ती कराया गया, जहां वह कोमा में हैं। उनके भाई डॉ. कमलेश शर्मा ने शाहपुर थाने में तहरीर देकर आरोपित गोल्डेन साहनी पर जान से मारने की नियत से टक्कर मारने का आरोप लगाया है।उमेश ठीकेदारी करते हैं। परिवार में उनकी हालत को लेकर कोहराम मचा हुआ है।

प्रभारी निरीक्षक थाना गीड़ा अश्वनी पांडेय का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने का आरोप लगा है लेकिन कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़ने की कर रहा था तैयारी

बाघागाड़ा निवासी गोल्डेन साहनी ने तीन वर्ष पहले पिता राजेंद्र निषाद की मौत के बाद पुस्तैनी भूमि बेचकर प्रापर्टी डीलिंग शुरू किया। धीरे–धीरे कारोबार बढ़ा। कैबिनेट मंत्री व उनके परिवार का साया मिलते ही गोल्डेन को राजनीति में भी किस्मत आजमाने लगा।

पिछले पंचायत चुनाव में उसने अपनी पत्नी संजू निषाद को प्रधान पद का चुनाव लड़वाया, लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा।

हार के बावजूद गोल्डेन ने पिपरौली से ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। इंटरनेट मीडिया पर खुद को भावी ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी बताता है।

श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास गोरखपुर में देंगे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, सिखाएंगे बारीकियां

गोरखपुर,संवाददाता। आयोजक डॉ. विनय सक्सेना ने बताया कि आठ दिनों तक चलने वाले इस कैंप में खिलाड़ी क्रिकेट की बारीकियां सीख सकेंगे। बताया कि कैंप में लड़के और लड़कियां दोनों हिस्सा ले सकते हैं। इसमें तीन आयु वर्ग रखे गए हैं, जिनमें अंडर–14, अंडर–16 और अंडर–19 शामिल हैं।

युवा क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए शहर के प्रकाश क्रिकेट ग्राउंड पर 19 से 26 मार्च तक एमसीसी हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप में श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर वसीम जाफर, पूर्व मुंबई रणजी टीम के कोच विनायक सामंत और यशस्वी जायसवाल और पृथ्वी शॉ के कोच ज्वाला सिंह खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे।

आयोजक डॉ. विनय सक्सेना ने बताया कि आठ दिनों तक चलने वाले इस कैंप में खिलाड़ी क्रिकेट की बारीकियां सीख सकेंगे। बताया कि कैंप में लड़के और लड़कियां दोनों हिस्सा ले सकते हैं। इसमें तीन आयु वर्ग रखे गए हैं, जिनमें अंडर–14, अंडर–16 और अंडर–19 शामिल हैं। कैंप का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को टॉप–लेवल क्रिकेट के लिए तैयार करना है। इसमें खिलाड़ियों को प्रोफेशनल क्रिकेट की तकनीक, मानसिकता और फिटनेस से जुड़ी विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। साथ ही उन्हें उच्च स्तरीय कोचों के साथ अभ्यास करने का अवसर भी मिलेगा।

घरेलू गैस सिलिंडर बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव

अब 21 दिन से पहले नहीं मिलेगा दूसरा सिलिंडर
घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग अवधि 15 से 21 दिन हुई।
वैश्विक अस्थिरता के कारण यह बदलाव तत्काल लागू।
एक साल में अधिकतम 15 सिलिंडर ही मिलेंगे।

गोरखपुर,संवाददाता। अस्थिर वैश्विक हालात को देखते हुए घरेलू गैस सिलिंडर की लॉकिंग पीरियड (बुकिंग अवधि) में बदलाव किया गया है। इसे 15 दिन की जगह 21 दिन कर दिया है। यानी अब सिलिंडर की आपूर्ति के बीच 21 दिन का अंतर होगा। इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू करते हुए एजेंसियों के सॉफ्टवेयर में लॉक लगा दिया गया है। हालांकि बुकिंग की व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी उपभोक्ता सिलिंडर लेने के तत्काल बाद भी बुकिंग करा सकते हैं। मंत्रालय में बुकिंग भी 21 दिन बाद ही करने पर मंथन चल रहा है। यदि ऐसा होगा तो सिलिंडर लेने के बाद दूसरे सिलिंडर की बुकिंग 21 दिन बाद होगी।

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम की एजेंसियों पर अब तक एक सिलिंडर देने के 15 दिन बाद दूसरा सिलिंडर लिया जा सकता था। अब ऐसा नहीं हो पाएगा।

साल में 15 सिलिंडर ही ले सकते हैं

ऑयल कंपनियों ने पहले ही सब्सिडी वाले घरेलू गैस सिलिंडर की बिक्री को शर्तों के अधीन कर दिया था। एक वर्ष में सब्सिडी वाले 12 सिलिंडर ही लिए जा सकते हैं। इसके अलावा बिना सब्सिडी वाले तीन और सिलिंडर एक वर्ष में लिए जा सकते हैं। यानी एक अप्रैल से 31 मार्च तक एक कनेक्शन पर अधिकतम 15 सिलिंडर ही मिल सकता है।

24 घंटे में सिलिंडर देने का है निर्देश

ऑयल कंपनियों ने बुकिंग के 24 घंटे के भीतर ही सिलिंडर की आपूर्ति के निर्देश दिए हैं। इससे उपभोक्ताओं को काफी सहूलियत मिल जाती है। अब लॉक लगने के कारण बुकिंग की संख्या तेजी से बढ़नी तय है।

गोरखपुर जनगणना 2027–मकान सूचीकरण की तैयारी तेज

गोरखपुर में जनगणना 2027 के लिए तैयारी शुरू।
प्रत्येक ब्लॉक में 180–200 मकान, 700–800 व्यक्ति शामिल।
स्लम क्षेत्रों के लिए अलग गणना ब्लॉक बनाए जाएंगे।

संवाददाता, गोरखपुर। जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मई–जून 2026 में प्रस्तावित मकान सूचीकरण को लेकर नगर निगम ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में नगर आयुक्त एवं अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने निर्माण शाखा के सभी अवर अभियंताओं को निर्देश जारी कर अपने–अपने वार्डों में मानक के अनुरूप गणना ब्लाक गठित करने और उनका मानचित्र एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने को कहा है। नगर आयुक्त के अनुसार जनगणना के लिए प्रत्येक गणना ब्लाक में लगभग 180 से 200 मकान अथवा करीब 700 से 800 व्यक्तियों की आबादी को शामिल किया जाएगा। ब्लाकों का गठन करते समय प्राकृतिक और प्रशासनिक सीमाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि गणना प्रक्रिया व्यवस्थित और सुचारु रूप से पूरी हो सके।

निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी वार्ड में मानक के अनुसार गणना ब्लाक बनाए जाने के बाद करीब 100 मकान शेष रह जाते हैं, तो ऐसे मकानों को मिलाकर एक अलग गणना ब्लाक तैयार किया जाएगा। इससे सभी आवासों को सूचीकरण की प्रक्रिया में शामिल करना आसान होगा।

स्लम क्षेत्रों के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। नगर आयुक्त ने कहा है कि झुग्गी–झोपड़ी या स्लम बस्तियों के लिए अलग गणना ब्लाक बनाए जाएंगे और इनमें वार्ड के अन्य मोहल्लों को शामिल नहीं किया जाएगा। इसके लिए स्लम क्षेत्रों की सूची पहले ही संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है, ताकि ब्लाक गठन में किसी प्रकार की समस्या न आए। जनगणना निदेशालय की ओर से प्रत्येक जोन में लगभग 405 गणना ब्लाक निर्धारित किए गए हैं। इसी आधार पर अवर अभियंताओं को अपने–अपने वार्डों में ब्लाक गठन का कार्य करना होगा।

इसके लिए संबंधित चार्ज या जोनल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए हैं, जिससे प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी हो सके। नगर आयुक्त के निर्देशानुसार, प्रत्येक गणना ब्लाक का अलग–अलग मानचित्र तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही सभी ब्लाकों को मिलाकर वार्डवार एक संयुक्त मानचित्र भी बनाया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी कर रिपोर्ट नगर आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी। इस कार्य में कर निरीक्षक और सफाई निरीक्षक भी अवर अभियंताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित शर्मा को पूरे मकान सूचीकरण कार्य की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे सभी वार्डों में ब्लाक गठन और मानचित्र तैयार होने के बाद इसकी रिपोर्ट जल्द से जल्द नगर आयुक्त कार्यालय को सौंपेंगे।

गोरखपुर में सर्जरी के बाद संक्रमण में मानवाधिकार आयोग ने मांगी रिपोर्ट

संवाददाता, गोरखपुर। मानबेला क्षेत्र के खुले नाले में गिरने से 11 वर्षीय कन्हैया की मौत और न्यू राजेश हाईटेक हास्पिटल में मोतियाबिंद सर्जरी के बाद फैले संक्रमण और कई मरीजों में दृष्टि हानि मामले को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने दोनों घटनाओं का स्वतरू संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की स्थिति भी आयोग ने पूछी है। आयोग के अनुसार, 20 फरवरी 2026 को मीडिया में प्रकाशित खबर के मुताबिक 19 फरवरी 2026 को गोरखपुर में एक 11 वर्षीय बालक की खुले नाले में गिरने से मौत हो गई थी। बताया गया कि जिस स्थान पर नाले का निर्माण कार्य चल रहा था, वहां नाला खुला पड़ा था और उसके आसपास घनी झाड़ियां भी थीं। इस कारण वह स्पष्ट दिखाई नहीं देता था। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि यदि समाचार में प्रकाशित तथ्य सही हैं तो यह मामला मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन से जुड़ा है। इसी आधार पर आयोग ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है।

होली में उड़े गुलाल

– गोरखपुर

कृष्ण के रंग में रंगी यूपी की आईपीएस अंशिका वर्मा, बनेंगी राजस्थानी घराने की दुल्हन

बरेली,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के दो आईपीएस अफसर जल्द ही वैवाहिक बंधन में बंधने जा रहे हैं। आईपीएस अंशिका वर्मा और आईपीएस केके बिश्नोई की शादी तय हो गई है। दोनों आईपीएस अफसर राजस्थान के बाड़मेर में शादी करने जा रहे हैं। इनकी शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राजस्थान के बाड़मेर से जुड़े बिश्नोई परिवार का जुड़ाव यूपी के गंगा किनारे प्रयागराज से होने जा रहा है। दरअसल, बरेली की एसपी दक्षिणी आईपीएस अंशिका वर्मा का रिश्ता पिछले दिनों संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई (केके बिश्नोई) के साथ तय हुआ था।

दोनों परिवार की आपस में मुलाकात के बाद शादी को लेकर चर्चा हुई, जो अब साकार होने जा रही है। इसके लिए बाकायदा कार्ड छप गए हैं और तीन दिवसीय वैवाहिक कार्यक्रम की बुकिंग हो गई है। संभल में मस्जिद प्रकरण के बाद चर्चा में आए कृष्ण कुमार बिश्नोई मुख्यमंत्री योगी के विश्वस्त अधिकारियों में गिने जाते हैं। वह 2018 बैच के आईपीएस हैं और राजस्थान के बाड़मेर के मूल निवासी व नामी विश्नोई परिवार से ताल्लुक रखते हैं। अंशिका वर्मा प्रयागराज के मूल निवासी हैं और 2021 बैच की आईपीएस हैं। वह पहले गोरखपुर में भी काम कर चुकी हैं और अब बरेली में तैनात रहकर महिला सुरक्षा, तकनीकी आधारित पुलिसिंग और साइबर सुरक्षा जैसे मामलों में शानदार काम कर रही हैं।

जोधपुर के एक रिसॉर्ट में होगा रिसेप्श

दोनों आईपीएस अफसर के तीन दिवसीय वैवाहिक कार्यक्रम की शुरुआत 28 मार्च से होनी है। हालांकि इससे पहले महिला संगीत का कार्यक्रम भी है। 28 मार्च को बाड़मेर के कृष्ण निवास में कृष्ण कुमार बिश्नोई बरात लेकर पहुंचेंगे। 29 मार्च की सुबह विदाई का कार्यक्रम है और 30 मार्च को जोधपुर के एक रिसॉर्ट में विवाह का रिसेप्शन रखा गया है।

बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य समेत कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ राजनेता भी विवाह समारोह में शामिल हो सकते हैं। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश के दो चर्चित आईपीएस अधिकारियों की शादी खासी यादगार होने जा रही है।

कौन हैं आईपीएस अंशिका वर्मा

अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। वह मूल रूप से प्रयागराज की निवासी हैं। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद बिना कोचिंग के सेल्फ स्टडी से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की और सफलता पाई। इस समय वह बरेली में एसपी दक्षिणी के तौर पर कार्यरत हैं। यहां उनकी तैनाती सितंबर 2024 में हुई थी। इससे पहले वह गोरखपुर में एएसपी के रूप में कार्यरत थीं। अंशिका वर्मा महिला उत्पीड़न, साइबर क्राइम जैसे मामलों में वह तत्परता से काम करने के लिए जानी जाती हैं।

मार्च 2025 में मिला था यह अवार्ड

मार्च 2025 में दिल्ली में ब्रिक्स चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित पांचवें वार्षिक महिला शिखर सम्मेलन में आईपीएस अंशिका वर्मा को वुमेन ऑइकन अवार्ड से सम्मानित किया गया था। महिला सशक्तिकरण की दिशा में बेहतर कार्य के लिए उन्हें यह अवार्ड मिला था।

एलपीजी बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव

कानपुर,संवाददाता। वैश्विक युद्ध के कारण गैस कंपनियों ने एलपीजी बुकिंग का अंतराल 15 से बढ़ाकर 21 दिन कर दिया है, जिससे घरेलू बजट के साथ–साथ सीएनजी और पीएनजी की आपूर्ति पर भी संकट मंडरा रहा है। वैश्विक युद्ध और तेजी से बदल रहे हालात का असर अब रसोई तक पहुंचने लगा है। गैस कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव करते हुए अंतिम डिलीवरी के बाद अगली बुकिंग के लिए 21 दिन का अंतराल अनिवार्य कर दिया है। अभी तक यह सिर्फ 15 दिन का था। इसका सीधा असर जिले के करीब 13 लाख घरेलू गैस उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

नियम बदलने के बाद अब उपभोक्ताओं को छह दिन अधिक इंतजार करना पड़ेगा। गैस कंपनियों का तर्क है कि वैश्विक युद्ध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस सप्लाई चेन पर बढ़ते दबाव के कारण यह फैसला अस्थायी तौर पर लिया गया है। वैश्विक हालात सामान्य होने पर इसमें बदलाव किया जा सकता है।

घरेलू बजट और रसोई की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका

एलपीजी वितरक संगठन के संरक्षक भारतीष मिश्रा ने बताया कि इसका उद्देश्य सीमित आपूर्ति के बीच सभी उपभोक्ताओं तक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देना है। इस फैसले से शहर के उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ गई है। कई इलाकों में पहले से ही गैस सिलिंडर की डिलीवरी में देरी की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में बुकिंग के लिए अतिरिक्त इंतजार बढ़ने से घरेलू बजट और रसोई की व्यवस्था दोनों प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

सीएनजी–पीएनजी आपूर्ति पर भी पड़ सकता असर

वैश्विक युद्ध का असर ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। एलएनजी की आपूर्ति कम होने की आशंका के बीच देश में सीएनजी और पीएनजी सप्लाई प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है।

गर्दन, चेहरा, पीठ और पेट पर 40 से अधिक वार, हार्दिक ने चाकू से गोद डाला शरीर

मुरादाबाद,संवाददाता। इंजीनियर से यूट्यबर बने एक युवक ने मुरादाबाद में बहन की गर्दन, चेहरे, पीठ, पेट पर 40 से ज्यादा वार किए हैं। बरामदे, रसोई और कमरे और बेड पर खून पड़ा मिला है। घटनास्थल के हालात को देखकर लग रहा है कि हिमशिखा ने अपनी जान बचाने को संघर्ष किया है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां इंजीनियर से यूट्यबर बने एक युवक ने बहन की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने मां पर भी जानलेवा हमला किया। घायल मां अस्पताल में भर्ती है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की पड़ताल की तो आस–पड़ोस के लोगों ने बताया कि भाई बहन ने गुरुग्राम से आकर अपनी मां के साथ होली का त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया था। दोनों वापस जाने की तैयारी कर चुके थे। हिमशिखा ने बैग पैक कर लिया था और मां के घर लौटने का इंतजार कर रही थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे हार्दिक रसोई में गया और चाकू लेकर बहन पर हमला कर दिया।

शव के पास ही मिला खून से सना चाकू

शव देखकर लग रहा था कि चालीस से ज्यादा वार किए गए हैं। रसोई, दोनों कमरे और घर के आंगन में भी खून पड़ा मिला। इससे साफ है कि हिमशिखा अपनी जान बचाने के लिए दौड़ी है। शव के पास ही खून से सना चाकू भी मिला है।

होली के लिए नए कपड़े भी लेकर आए थे दोनों

मझोला के बुद्धि विहार सेक्टर दो में रहने वाली नीलिमा का बेटा हार्दिक और बेटी हिमशिखा होली मनाने के लिए घर आए थे। नीलिमा का कहना है दोनों खुश थे। कहीं कुछ ऐसा नहीं लगा कि जिससे दोनों के बीच किसी प्रकार की अनबन दिखे। दोनों ही होली के लिए नए कपड़े भी लेकर आए थे।

जान बचाने के लिए हिमशिखा ने किया संघर्ष

बहन को वापस जाना था। हिमशिखा का पैक बैग बरामदे में मिला है जबकि उसके पास ही जूते भी पड़े मिले हैं। बरामदे, रसोई और कमरे और बेड पर खून पड़ा मिला है। घटनास्थल के हालात को देखकर लग रहा है कि हिमशिखा ने अपनी जान बचाने को संघर्ष किया है।

गर्दन, चेहरा, पीठ और पेट पर 40 से ज्यादा वार

आरोपी ने युवती की गर्दन, चेहरे, पीठ, पेट पर 40 से ज्यादा वार किए हैं। हैरानी की बात है कि युवती की चीखने चिल्लाने की किसी ने आवाज तक नहीं सुनी। बहन की हत्या करने के बाद हार्दिक अपनी मां को दफ्तर से लेने गया है। घर लाकर उस पर भी हमला कर दिया। अगर शोर–शराबा सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा न होते तो हार्दिक अपनी मां की भी हत्या कर देता।

आस पड़ोस के लोगों से ज्यादा बात नहीं करता था परिवार

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आस पड़ोस के लोगों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि नीलिमा यहां अकेली रहती थी। उनका बेटा और बेटी गुरुग्राम में रहते थे। नीलिमा सुबह दफ्तर चली जाती थी और शाम को ही वापस आती थी। परिवार आस पड़ोस के लोगों से ज्यादा बातचीत नहीं करता था।

यूपीएससी सीएसई 2025 के

टापर्स के चेहरे

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम जारी हो चुका है ।

दिल्ली,एजेंसी

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित हो चुका है। राजस्थान के रावतभाटा के अनुज अग्निहोत्री ने इस परीक्षा में टॉप किया है। दूसरे स्थान पर राजेश्वरी सुवे एम हैं। तीसरे स्थान पर पंचकुला के एकांश ढुल हैं। कुल मिलाकर 958 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम जारी हो चुका है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में राजस्थान के रावतभाटा के अनुज अग्निहोत्री ने पहला स्थान हासिल किया है, जबकि तमिलनाडु की राजेश्वरी सुवे एम दूसरे और पंचकुला के एकांश ढुल तीसरे स्थान पर रहे। इस बार कुल 958 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। आइए जानते हैं इन टॉपर्स की पढ़ाई, पृष्ठभूमि और सफलता की कहानी।

राजस्थान के एक छोटे शहर से आने वाले अनुज अग्निहोत्री ने अपनी मेहनत और लगन से सिविल सेवा की तैयारी में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अनुज ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वह राजस्थान के रावतभाटा के रहने वाले हैं। अपनी स्कूली शिक्षा उन्होंने यहीं से पूरी की। इसके बाद, उन्होंने मेडिकल क्षेत्र में पढ़ाई करते हुए एम्स जोधपुर से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की। डॉक्टर बनने के बाद उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं की ओर रुख किया और फिलहाल **DANICS** (दिल्ली, अंडमान और निकोबार सिविल सेवा) में प्रोबेशनर के रूप में कार्यरत हैं।

कौन हैं दूसरी रैंक हासिल करने वालीराजेश्वरी सुवे एम?

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 2 हासिल करने वाली राजेश्वरी सुवे एम तमिलनाडु के मदुरै जिले से आती हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की है। राजेश्वरी का वैकल्पिक विषय समाजशास्त्र था।

कौन हैं तीसरी रैंक हासिल करने वाले एकांश ढुल?

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 3 हासिल करने वाले एकांश ढुल पंचकुला के रहने वाले हैं। वह भाजपा नेता कृष्ण ढुल के बेटे हैं। उन्होंने पहले भी दो बार यूपीएससी परीक्षा पास की है, उनका लगातार तीसरी बार चयन हुआ है। 25 साल के एकांश ढुल ने एक बार फिर अपने परिवार और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

एकांश ढुल कितने पढ़े–लिखे हैं?

एकांश ढुल ने अपनी स्कूली शिक्षा चंडीगढ़ के संत कबीर पब्लिक स्कूल और भवन विद्यालय से पूरी की है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (ट्ब्) से कॉमर्स की पढ़ाई की है। उन्हें डिबेटिंग और वीडियो गेमिंग का शौक है।

अनुज अग्निहोत्री बने आल इंडिया टापर, दूसरे नंबर पर राजेश्वरी का कब्जा

संघ लोक सेवा आयोग ने सीएसई 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इस बार अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप कर इतिहास रच दिया है, जबकि दूसरे स्थान पर राजेश्वरी ने शानदार प्रदर्शन किया। पूरी टॉपर्स लिस्ट यहां देख सकते हैं।

देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक सिविल सर्विसेज एग्जाम 2025 का अंतिम परिणाम आखिरकार जारी कर दिया गया है। 6 मार्च 2026 को आयोग ने फाइनल रिजल्ट घोषित किया। इस बार अनुज अग्निहोत्री ने पहला स्थान हासिल किया है। दूसरे स्थान पर राजेश्वरी सुवे एम रहीं, जबकि तीसरा स्थान एकांश ढुल ने प्राप्त किया है। चौथे स्थान पर राघव झुनझुनवाला और पांचवें स्थान पर ईशान भटनागर रहे। इस वर्ष कुल 958 उम्मीदवारों को विभिन्न केंद्रीय सेवाओं के लिए चयनित किया गया है। इन अभ्यर्थियों की सिफारिश इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस, इंडियन फॉरेन सर्विस, इंडियन पुलिस सर्विस तथा अन्य ग्रुप '।' और ग्रुप 'ठ' सेवाओं के लिए की गई है। लिखित परीक्षा अगस्त 2025 में आयोजित की गई थी, जबकि इंटरव्यू प्रक्रिया दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच संपन्न हुई।

कांधला की आस्था जैन ने यूपीएससी परीक्षा में नौवीं रैंक हासिल कर रचा इतिहास

शामली,संवाददाता। कांधला के बड़ा बाजार की निवासी आस्था ने अपने तीसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है। वर्ष 2018–19 में उन्होंने सीबीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया था।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2023 के परिणामों ने शामली जनपद का नाम रोशन किया है। शहर की होनहार बेटी आस्था जैन ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में ऑल इंडिया नौवीं रैंक प्राप्त कर नया इतिहास रचा है। आस्था की इस असाधारण उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जनपद को गौरवान्वित किया है। आस्था जैन का बचपन से ही मेधावी छात्रा के रूप में एक उज्ज्वल भविष्य रहा है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा शहर के प्रतिष्ठित स्कॉटिश स्कूल से प्राप्त की। वर्ष 2018–19 में उन्होंने सीबीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर चौथा स्थान हासिल कर अपनी शैक्षणिक क्षमता का लोहा मनवाया था।

बिना कोचिंग, पहला प्रयास और असाधारण सफलता

आस्था जैन ने अपनी यूपीएससी की तैयारी के लिए किसी भी कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया। उन्होंने स्वयं अध्ययन और दृढ़ संकल्प के बल पर इस परीक्षा को उत्तीर्ण किया। यह उनका तीसरा प्रयास था, जिसमें उन्होंने न केवल सफलता प्राप्त की, बल्कि टॉप 10 में स्थान बनाकर सभी को अचंभित कर दिया। इससे पहले वर्ष 2023 में अपने पहले प्रयास में उन्होंने 131वीं रैंक हासिल की थी और वर्तमान में वे पुलिस अकादमी हैदराबाद में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

आईएएस बनने का बचपन का सपना

आस्था जैन का बचपन से ही आईएएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करने का सपना था। अपने तीसरे प्रयास में इस सपने को साकार कर उन्होंने साबित कर दिया कि अगर इरादे बुलंद हों और मेहनत में कोई कसर न छोड़ी जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम

आस्था कांधला के बड़ा बाजार की निवासी हैं। ये सफलता उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और अपने लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण का परिणाम है।

सिविल सर्विसेज परीक्षा के बाद देश भर से 958 चयनित

लखनऊ,संवाददाता। संघ लोक सेवा आयोग ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी किया। इस बार परीक्षा में लखनऊ के भी मेधावियों ने भी अपना परचम लहराया है। इस बार देश भर से 958 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट आधिकारिक वेबसाइट नचेब.हवअ.पद पर देख सकते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए संचालित अभ्युदय कोचिंग में तैयारी करने वाले आधा दर्जन अभ्यर्थियों ने भी सफलता प्राप्त की है। लखनऊ के विमल कुमार को 107वीं रैंक मिली है। विमल लखनऊ में भागीदारी भवन में रहकर तैयारी कर रहे थे। विपिन देव यादव को 316वीं, आदर्श पाण्डेय को 347वीं, मानसी को 444वीं, महेश जायसवाल को 590वीं, अदिति सिंह को 859 और तनीषा सिंह को 930 वीं रैंक मिली है। यूपीएससी की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक इस परीक्षा के जरिये कुल 958 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। जिसमें जनरल कैटेगरी के 317, ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के 104, ओबीसी कैटेगरी के 306, एससी कैटेगरी के 158 और एसटी कैटेगरी के 73 उम्मीदवार हैं।

परीक्षा में चमकी लखनऊ की मेधा विमल कुमार को मिली 107वीं रैंक

होली में खूब खेला गया रंग–गुलाल

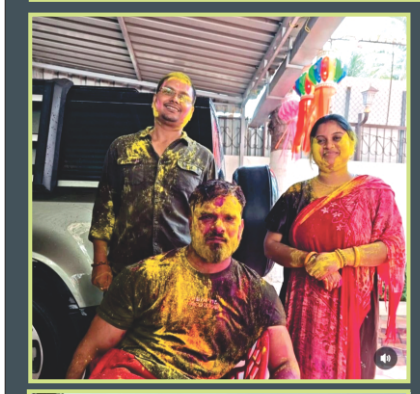

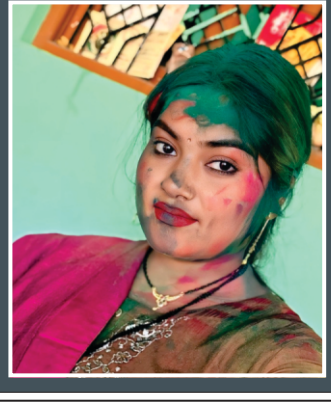

राज्यसभा फैसले के बाद जेडीयू में हलचल

राज्य ब्यूरो, पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद जेडीयू के अंदर हलचल तेज हो गई है। इसी बीच उन्होंने पार्टी के सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों की अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक शुक्रवार शाम पांच बजे मुख्यमंत्री आवास पर होगी। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान नीतीश कुमार अपने राजनीतिक फैसले पर विस्तार से चर्चा करेंगे। साथ ही बिहार की बदलती सियासी स्थिति को लेकर रणनीति भी तय की जाएगी। निशांत कुमार को जिम्मेदारी मिल सकती है।

नीतीश ने बुलाई बड़ी बैठक, निशांत को मिल सकती है जिम्मेदारी
नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने के फैसले पर बुलाई बैठक।
जदयू कार्यकर्ताओं में नाराजगी, फैसले पर पुनर्विचार की अपील।
पटना में लगे पोस्टरों से सामने आई कार्यकर्ताओं की भावना।

भविष्य की रणनीति पर हो सकती है चर्चा

सूत्रों के अनुसार बैठक में आने वाले समय की राजनीतिक दिशा पर चर्चा होगी। राज्यसभा जाने के फैसले के बाद पार्टी के भीतर कई सवाल उठ रहे हैं।

ऐसे में नीतीश कुमार विधायकों और सांसदों को स्थिति से अवगत करा सकते हैं। बैठक में नई सरकार के स्वरूप और नेतृत्व को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है।

विधायक दल का नया नेता कौन होगा, इस पर भी विचार हो सकता है। पार्टी नेतृत्व इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण मान रहा है।

कार्यकर्ताओं में बढ़ रही नाराजगी

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबर से जेडीयू कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। कई कार्यकर्ता इस फैसले से खुद को असहज महसूस कर रहे हैं। उनका मानना है कि नीतीश कुमार का बिहार की राजनीति में सक्रिय रहना जरूरी है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनके नेतृत्व में ही पार्टी मजबूत बनी रही है।

इस वजह से वे चाहते हैं कि नीतीश कुमार अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। पार्टी के अंदर इस मुद्दे पर लगातार चर्चा जारी है।

जदयू कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर

कार्यकर्ताओं की नाराजगी अब सड़कों और पोस्टरों के जरिए भी सामने आ रही है। पटना स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय के बाहर कई पोस्टर लगाए गए हैं।

इन पोस्टरों में मुख्यमंत्री से फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की गई है। पोस्टर में लिखा है, श्नीति सेवक कर रहा पुकार, नेता करें अपने निर्णय पर पुनः विचार।श इस संदेश के जरिए कार्यकर्ता अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। पोस्टर लगने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

तीन महीने पहले ही बन गया था खामेनेई के खात्मे का प्लान

इस्राइली रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा

वर्ल्ड डेस्क। पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से बताया गया है कि नवंबर की शुरुआत में ही ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला किया था। इसी के साथ शुरू में इस मिशन को लगभग छह महीने बाद अंजाम देने का इरादा था। हालांकि ईरान में हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते इस योजना को आगे बढ़ाया गया।

उच्च–स्तरीय सुरक्षा बैठक में लिया फैसला

रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने गुरुवार को बताया कि यह रणनीतिक लक्ष्य पिछले साल के अंत में एक उच्च–स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान स्थापित किया गया था। उन्होंने एक समाचार चौनल एन12 को बताया, नवंबर में ही हम प्रधानमंत्री के साथ एक बहुत ही गोपनीय बैठक में थे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई को खत्म करने का लक्ष्य तय किया था।

ईरान की घरेलू अशांति के बाद बढ़ाई समय सीमा

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के भीतर चल रही घरेलू अशांति के बाद इस ऑपरेशन की समय–सीमा को बढ़ाया गया।

इस्राइल ने अपनी इस रणनीति को वाशिंगटन के साथ साझा किया और मिशन को जनवरी के आसपास आगे बढ़ाया। इस्राइल काट्ज ने समझाया कि यह समायोजन इसलिए किया गया, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि तेहरान में दबाव में चल रहा नेतृत्व पश्चिम एशिया में इस्राइली और अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ शत्रुता शुरू कर सकता है।

ऑपरेशन रोरिंग लायन और एपिक फ्यूरी का हिस्सा

खामेनेई की हत्या शुरू हुए ऑपरेशन रोरिंग लायन और एपिक फ्यूरी के शुरुआती घंटों में की गई। यह पहली बार है जब किसी संप्रभु राष्ट्र के शीर्ष नेता को हवाई हमले से मारा गया है। इस्राइल का कहना है कि उसके मुख्य उद्देश्य ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट और परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले अस्तित्वगत खतरे को खत्म करना औरशासन परिवर्तन को सुविधाजनक बनाना है।

इस्राइल पर ईरान ने गिराए क्लस्टर बम

जार्डन और रियाद में ड्रोन किए नष्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी बरकरार है। ईरान ने इस्राइल, अमेरिकी सैन्य ठिकानों और क्षेत्र के कई देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की नई लहर शुरू कर दी। युद्ध शुरू होने के बाद अब तक ईरान में लगभग 1230 लोगों की मौत, लेबनान में 100 से ज्यादा और इस्राइल में करीब एक दर्जन लोगों की जान जा चुकी है।

अमेरिका ने ईरान के 30 जहाजों को डुबो दिया

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को एक शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने चल रहे युद्ध के दौरान 30 से अधिक ईरानी जहाजों को डुबो दिया है, जबकि तेहरान की सेनाओं द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों में काफी कमी आई है। रॉयटर्स ने एडमिरल ब्रैड कूपर के हवाले बताया कि 30 से अधिक जहाज डुबो दिए हैं, और पिछले कुछ घंटों में ही हमने एक ईरानी ड्रोन वाहक पोत को निशाना बनाया है, जिसका आकार लगभग द्वितीय विश्व युद्ध के विमानवाहक पोत के बराबर है। और इस समय उसमें आग लगी हुई है।

इस्राइल पर ईरान ने क्लस्टर बम गिराए

ईरान ने इस्राइल पर क्लस्टर बम गिराए हैं। जिसका वीडियो सामने आया है। गुरुवार रात कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें क्लस्टर बम लगे थे।

सुखोई हादसे में दोनों पायलट बलिदान

जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरने के बाद लड़ाकू विमान हुआ था लापता

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के कार्बी आंगलोंग में वायु सेना का सुखोई–30 **MKI** विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में दोनों पायलट बलिदान हो गए। पहाड़ी इलाके में विमान का मलबा मिला। वायु सेना ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

असम में वायु सेना का एक सुखोई–30 **MKI** लड़ाकू विमान एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह विमान कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी और जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस दुखद घटना में विमान में सवार दोनों पायलट बलिदान हो गए। वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर निकला था। इसने गुरुवार शाम को जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरी थी।

उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान का संपर्क कंट्रोल रूम से टूट गया और वह रडार से अचानक गायब हो गया। इसके बाद वायु सेना ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया। जिसके बाद शुक्रवार सुबह विमान का मलबा मिला।

मामले को लेकर एक रक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि वायु सेना की सर्च और रेस्क्यू टीम, सिविल और पुलिस प्रशासन और गांववालों की मदद से, रात करीब एक बजे घटनास्थल पर गई और दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा ढूंढ निकाला। यह जगह जोरहाट एयरबेस से लगभग 60 किलोमीटर दूर एक दुर्गम इलाके में है। वायु सेना ने घटना की पुष्टी कर दी है और मामले में जांच का आदेश दे दिए हैं। जांच टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हादसा किन पर परिस्थितियों में हुआ है। बता दें कि, सुखोई–30 डज्ञ् भारतीय वायु सेना का एक शक्तिशाली और आधुनिक लड़ाकू विमान है। इस हादसे से वायु सेना को बड़ा नुकसान हुआ है।

अदा शर्मा ने द केरला स्टोरी 2 पर चुप्पी तोड़ी क्या मेकर्स ने एक्ट्रेस को नहीं किया अप्रोच? जल्द ही क्राइम थ्रिलर फिल्म में दिखेंगी

हर चीज पब्लिकली...

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। द केरला स्टोरी में नजर आईं अदा शर्मा इसके दूसरे भाग में नहीं दिखीं। एक्ट्रेस को उनके फैंस ने बहुत मिस किया। फिल्म में उनके अभिनय की बहुत तारीफ हुई थी। हर किसी के मन में ये सवाल था कि एक्ट्रेस को पार्ट 2 में क्यों नहीं लिया गया। अब फाइनली एक्ट्रेस ने इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़ी है। ॅ।छै के साथ बातचीत में अदा जिन्होंने फिल्म रिलीज के बाद से ही इस मामले में कुछ नहीं कहा था अब आखिरकार इस पर बात करती नजर आईं।

अदा ने अपनी सफाई में क्या कहा?

अदा शर्मा ने कहा– श्मैं जिस फिल्म का हिस्सा हूं उस पर बात करना ठीक है लेकिन जिस मूवी का मैं हिस्सा नहीं हूं उसके बारे में सिर्फ न्यूज में बने रहने के लिए बोलना गलत है। मुझे ये रोल ऑफर हुआ था कि नहीं ये बात सिर्फ मेकर्स और एक्टर के बीच रहनी चाहिए। इसे पब्लिकली डिस्कस नहीं किया जाना चाहिए।श

उन्होंने आगे कहा– "पहले पार्ट में अफगानिस्तान में आईएसआईएस के शिविरों के बारे में दिखाया गया है कि कैसे एक मासूम लड़की आतंकवादी बन जाती है। दूसरा भाग की कहानी बिल्कुल अलग है।"

अदा शर्मा बहुत जल्द एक क्राइम थ्रिलर हॉरर फिल्म में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री अक्सर प्रोस्थेटिक्स के साथ डरावनी फिल्म की तैयारी की झलकियां अपने इंस्टा पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस को इससे पहले सनफ्लावर (ैनदसिवूमत) में देखा गया था जिसे विकास बहल ने डायरेक्ट किया था। इसमें उनके साथ सुनील ग्रोवर नजर आए थे।

जान्हवी कपूर ने 29वें जन्मदिन की दिखाईं इनसाइड तस्वीरें, काटा केक

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर का आज 6 मार्च को 29वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर जान्हवी ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने जन्मदिन सेलिब्रेशन की इनसाइड तस्वीरें शेयर की हैं।

जान्हवी कपूर का पोस्ट

जान्हवी कपूर ने अपने 29वें जन्मदिन की कई खास इनसाइड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में जान्हवी ऊंची पहाड़ी पर लाल साड़ी में पोज देती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में जान्हवी कुछ औरतों के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर केक की है, जिस पर लिखा हैकृश्हैप्पी बर्थडे लाडोश। इसके अलावा और भी कई शानदार तस्वीरें हैं, जिनमें जान्हवी ने कच्चे आम के अलावा सीढ़ियों की तस्वीर शेयर की है। जानकारी के अनुसार, जान्हवी ने अपने 29वें जन्मदिन पर आंध्र प्रदेश के तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए नंगे पैर लगभग 2150 सीढ़ियां चढ़ीं।

जान्हवी का नोट

आज अपने 29वें जन्मदिन पर जान्हवी ने इन शानदार तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, मुझे जन्मदिन की बहुत–बहुत शुभकामनाएं। जान्हवी की इन तस्वीरों को उनके फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही फैंस जान्हवी को जन्मदिन क ी शुभकामनाएं भी दे रहे हैं।

पेड्डी में नजर आएंगी जान्हवी कपूर

फिल्म पेड्डी (च्मककप) को पहले त्ब्16 का नाम दिया गया था। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। यह एक भारतीय तेलुगु–भाषा की स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। राम के अलावा इस फिल्म में जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार और जगपति बाबू भी अहम रोल में हैं। यह फिल्म 30 अप्रैल, 2026 को रिलीज होगी।

भोजपुरी सितारों की पत्नियां

46 दो बच्चों की मां और की उम्र!

ब्यूटी स्टैंडर्ड पर बोलीं करीना कपूर खान बढ़ती उम्र से घबराती नहीं हैं एक्ट्रेस करीना कपूर ने जीरो फिगर फेज को किया याद

एंटरटेनमेंट डेस्क। करीना कपूर खान उन चुनिंदा हीरोइनों में से एक हैं जो बढ़ती उम्र या मोटापे से घबराती नहीं हैं। वह जवान दिखने की रेस से दूर रहना पसंद करती हैं और बॉडी पॉजिटिविटी पर ध्यान देती हैं। करीना कपूर ने एक हालिया इंटरव्यू में बढ़ती उम्र को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कभी उनका साइज जीरो हुआ करता था और कभी वह साइज 10 में भी रही हैं। वह सोशल प्रेशर से खुद को दूर रखती हैं।

लुक्स और मोटापे पर बोलीं करीना

हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ बातचीत में करीना कपूर खान ने कहा, ष्मुझे फर्क नहीं पड़ता है कि लोग क्या कहते हैं। मेरा साइज जीरो भी रहा और साइज 10 भी और मैं इसे स्वीकार करना चाहती हूं। बेशक फैशन और कोट्योर के मामले में मैं वही करूंगी और पहनूंगी जो मुझे उस समय महसूस हो रहा है। मैं हमेशा एक एक्टर के तौर पर पहचानी जाना चाहती हूं।

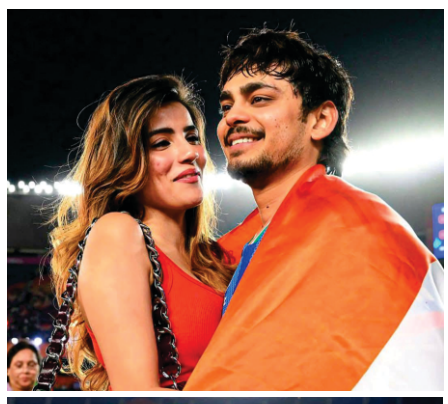

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिकेट की दुनिया में कई कहानियां ऐसी होती हैं जो किसी फिल्म की कहानी जैसी लगती हैं। जैकब बेथल की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। 23 अक्तूबर 2003 को कैरिबियाई देश बारबाडोस के शहर ब्रिजटाउन में जन्मे बेथल का बचपन क्रिकेट के माहौल में बीता। यह वही धरती है जिसने दुनिया को महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स जैसा खिलाड़ी दिया। गली क्रिकेट, क्लब मैच और परिवार के साथ अभ्यास, यही उनकी शुरुआती जिंदगी का हिस्सा था। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि यही लड़का एक दिन वेस्टइंडीज नहीं, बल्कि इंग्लैंड की जर्सी पहनकर विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत जैसी टीम को चुनौती देगा।

अगर किस्मत थोड़ा अलग होती तो बेथल शायद इंग्लैंड नहीं बल्कि वेस्टइंडीज के लिए खेल रहे होते, क्योंकि उनका जन्म और पालन–पोषण, सब कैरेबियाई देश बारबाडोस में हुआ था, लेकिन 13 साल की उम्र में उन्हें इंग्लैंड के नामी रग्बी स्कूल में क्रिकेट स्कॉलरशिप मिली और यहीं से उनकी जिंदगी की दिशा बदल गई।

परिवार से मिला क्रिकेट का जुनून

बेथल का क्रिकेट से रिश्ता सिर्फ शौक नहीं बल्कि पारिवारिक विरासत है। उनके परिवार में क्रिकेट हमेशा से मौजूद रहा। पिता ग्राहम बेथल, बारबाडोस में क्लब क्रिकेट खेल चुके हैं और बेटे के शुरुआती कोच भी रहे।वहीं, दादा आर्थर बेथल, बारबाडोस के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेल चुके थे और पिकविक क्लब के कप्तान भी रहे। मां गिसेल बेथल ने बेटे के अभ्यास में अहम भूमिका निभाई और अक्सर घर के आंगन में गेंदबाजी कर जैकब को अभ्यास करवाती थीं। ऐसे माहौल में क्रिकेट उनके लिए सिर्फ खेल नहीं बल्कि जीवन का हिस्सा बन गया।